टिप्पणी

15

टेलीविजन चैनल

जब भी आप भूखे होते हैं, तो आप इस उम्मीद से अपनी माँ की ओर देखते हैं कि वह आपको कुछ स्वादिष्ट खाने को दें। लेकिन सोचिये तब क्या होगा जब आपकी माँ रोज़–रोज़ वही रोटी और दाल आपको परोस दें। आप निश्चित रूप से ऊब जायेंगे। इसीलिए हम कभी–कभी रेस्त्रां में खाना चाहते हैं और घर में भी कुछ अलग बनाकर खाने का प्रयास करते हैं। हमारे स्वाद तथा मनःस्थिति के अनुसार व्यंजनों की विभिन्नता हमें भोजन के चयन में मदद करती है।

अब सोचिये, यदि हमारे पास टेलीविजन सेट में केवल एक ही चैनल हो तथा वह भी रोजाना केवल दो या तीन घंटे ही कार्यक्रम प्रसारित करे? सत्तर के दशक के मध्य में ठीक ऐसा ही था जब दूरदर्शन दिन में कुछ घंटों के लिए श्वेत–श्याम कार्यक्रम प्रसारित करता था। जिन लोगों के पास टेलीविजन सेट थे, वे इसे चालू करने के लिए समय की प्रतीक्षा किया करते थे। आज सौभाग्य से हमारे पास विभिन्न कार्यक्रम देने वाले ढेर सारे टेलीविजन चैनलों का समूह है। तकनीकी सुधार के कारण टेलीविजन की दुनिया ही बदल गयी है।

इस पाठ में आप हमारे देश में उपलब्ध टेलीविजन चैनलों की विभिन्न श्रेणियों के बारे में जानेंगे तथा इनके माध्यम से प्रसारित कार्यक्रमों के प्रकार के बारे में जानेंगे।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के बाद आप निम्नलिखित कार्य कर सकेंगे–

- टेलीविजन चैनलों की विभिन्न श्रेणियों का वर्गीकरण;
- विभिन्न प्रकार के टेलीविजन कार्यक्रमों के बीच अन्तर;
- टेलीविजन पर उपलब्ध विभिन्न कार्यक्रम फॉर्मेट की सूची बनाना।

टिप्पणी

15.1 विभिन्न श्रेणियों के टेलीविजन चैनल

आपने कभी जरूर सोचा होगा कि इतने सारे टेलीविजन चैनलों के होने का एकमात्र कारण विभिन्नता ही है। तथ्य यह है कि टेलीविजन सभी प्रकार के ऑडियंस (दर्शकों) को ध्यान में रखता है, वे बच्चे, महिलाएँ, युवा, वयस्क, कृषक, उद्योग, श्रमिक, छात्र हों या अनपढ़ ही हों और इस तरह यह सबके लिए अलग–अलग चैनल उपलब्ध कराता है।

टेलीविजन दर्शक विशेष के लिए अनेक ऐसे कार्यक्रमों का प्रसारण करता है– इन्हें विशेष दर्शकों हेतु कार्यक्रम कहते हैं जैसे, बच्चों के लिए, महिलाओं के लिए, युवाओं के लिए तथा शैक्षिक/विद्यालय प्रसारण।

शिक्षित दर्शकों को द ष्टि में रखकर ये विशिष्ट कार्यक्रम इस प्रकार नियोजित किये जाते हैं कि विशेष दर्शक समूह की अपेक्षा पूरी हो। बच्चों के कार्यक्रम के मामले में कहानियाँ, संगीत, खेल और सामान्य ज्ञान उपलब्ध है। महिलाओं के कार्यक्रम में, खाना बनाने के गुर, सिलाई, कानूनी समस्याओं आदि की जानकारी दी जाती है। कृषकों के लिए विशेष कार्यक्रम में खेती सम्बन्धी विषय, पशुपालन, कुक्कुटपालन, सहकारी गतिविधियाँ आदि की जानकारी समुचित रूप से दी जाती है।

युवाओं के कार्यक्रम का एक अलग प्रारूप होता है जो समस्याओं पर विचार–विमर्श कराता है, युवाओं की इच्छाएँ व जरूरतें प्रस्तुत करता है। इसका प्रस्तुतीकरण भी सामान्यतः युवा दर्शकों के लिए युवा एंकर ही करते हैं। आइये, अब हम हमारे लिए उपलब्ध टेलीविजन चैनलों की विभिन्न श्रेणियों की चर्चा करें।

समाचार चैनल

विश्व के समाचार देखते हुए आप क्या सोचते हैं? अगर यह उत्तर हमें 10–15 वर्षों पूर्व देना होता तो हम बताते कि समाचार बुलेटिनें रात में प्रसारित की जाती हैं। लेकिन अब उत्तर यह है कि समाचार बुलेटिनें समाचार चैनल चौबीसों घंटे दिखाते हैं।

शुरू में टेलीविजन पर समाचार का मतलब था, आमतौर पर प्राइम टाइम में आधे या एक घंटे की बुलेटिन, जिसमें दिन के सर्वाधिक महत्वपूर्ण समाचार होते थे। लेकिन अब समाचार का अर्थ तथा परिभाषा बहुत बदल गयी है। अब अनेक कार्यक्रमों, विभिन्न प्रारूपों और अनेक विधियों के साथ समाचार प्रसारित होते हैं।

टिप्पणी

चित्र 15.1

समाचार को कुछ नया या हाल की घटनाओं की सूचना के रूप में परिभाषित किया जा सकता है विशेषतः जिस तरह अखबार, आवधिक प्रकाशन, रेडियो या टेलीविजन रिपोर्ट करते हैं। लेकिन समाचार का अर्थ आज कुछ और अधिक हो गया है। कुछ दशक पहले ही केवल एक टेलीविजन चैनल हमें समाचार और समसामयिक घटनाओं की जानकारी देता था— वह था पुराना 'दूरदर्शन'।

वर्तमान में हमारे पास हिन्दी में आधा दर्जन से अधिक समाचार चैनल हैं। उनमें से कुछ आजतक, स्टारन्यूज़, जी न्यूज, एनडीटीवी इंडिया, सहारा समय तथा इ.टी.वी. हैं। अंग्रेजी समाचार चैनलों में एनडीटीवी 24x7 सीएनबीसी टी.वी.–18, टाइम्स नाउ और हेडलाइंस टुडे हैं। इसके साथ अन्य प्रमुख भाषाओं के चैनल भी हैं जिनमें तमिल, तेलुगू, मलयालम, कन्नड़, मराठी, गुजराती, बंगाली, उड़िया तथा उर्दू शामिल हैं।

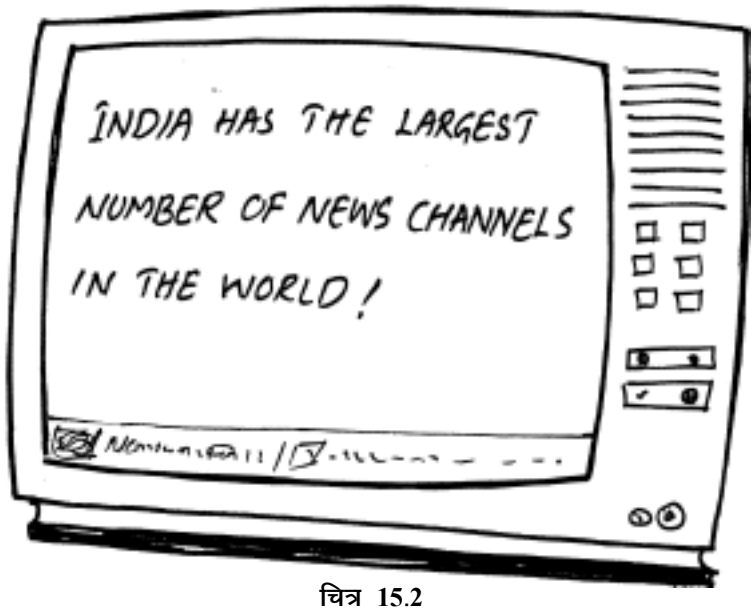

चित्र 15.2

टिप्पणी

खेल चैनल

क्या आपने कभी टेलीविजन पर सजीव क्रिकेट मैच देखा है? या इसी तरह का फुटबाल टूर्नामेंट? समाचार चैनल के अतिरिक्त टेलीविजन चैनलों की अन्य महत्वपूर्ण श्रेणी खेल चैनल है।

चित्र 15.3: स्पोर्ट्स चैनल

खेल चैनल टेलीविजन के विशेष चैनल हैं जो खेल–कूद के आयोजनों का प्रसारण करते हैं जैसे ट्वेंटी–20 विश्व कप। सामान्यतः यह प्रसारण सजीव होता है और जब ये चैनल खेलों का तत्काल प्रसारण नहीं कर रहे होते तो खेल समाचार तथा अन्य सम्बन्धित कार्यक्रम देते हैं। कुछ ऐसे चैनल भी हैं जो सिर्फ एक खेल पर ही केन्द्रित रहते हैं या देश के क्षेत्र विशेष के स्थानीय खेल आयोजनों का ही प्रसारण करते हैं।

> क्या आप जानते हैं?
>
> विश्व का पहला स्पोर्ट्स चैनल संयुक्त राज्य अमेरिका में स्पोर्ट्स चैनल नेटवर्क के ई.एस.पी.एन. ने 1979 में प्रारम्भ किया था।

इन चैनलों ने खेल प्रसारण की उपलब्धता में उल्लेखनीय सुधार किया है। इन चैनलों ने विभिन्न विशेष खेल भी देखने का मौका उपलब्ध कराया है जैसे दुनिया के किसी भी हिस्से में हमारी टीम द्वारा खेले जा रहे प्रत्येक खेल को हम देख सकते हैं।

स्पोर्ट्स चैनलों की अवधारणा बहुत पुरानी भी नहीं है। आपको याद होगा कि पहले भारत में बहुत से धारावाहिकों को अपने निर्धारित समय पर नहीं दिखाया जाता था क्योंकि सजीव क्रिकेट मैच दिखाना होता था। आज निश्चित रूप से ऐसा नहीं है। अब हमारे पास विशेष खेल चैनल हैं जो सजीव खेल आयोजन दिखाते हैं और इससे लोकप्रिय कथाओं और मनोरंजन कार्यक्रमों की योजना प्रभावित भी नहीं होती। क्या

टिप्पणी

देखना है यह अब निश्चित रूप से दर्शक की पसन्द पर निर्भर करता है।

कार्टून चैनल

क्या आपके घर में आपका कोई छोटा भाई या बहन है? उनसे पूछिये कि उनका पसंदीदा टेलीविजन चैनल कौन सा है? उनका उत्तर संभवतः होगा पोगो या कार्टून नेटवर्क। बच्चों में सर्वाधिक लोकप्रिय टेलीविजन चैनलों की श्रेणी में कार्टून चैनल हैं।

भारत में कार्टून नेटवर्क सर्वाधिक लोकप्रिय कार्टून चैनल है। इसका प्रसारण अंग्रेजी, तमिल और हिन्दी में विभिन्न कार्टूनों के डब रूपों में होता है। इसमें परम्परागत टॉम एंड जेरी, स्कूबी–डू तथा पापेयी द सेलर जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। इन कार्यक्रमों में सुपरहीरो सीरीज़ जैसे सुपरमैन : द एनिमेटेड सीरीज़, बैटमैनः द एनिमेटेड सीरीज़ तथा जस्टिस लोग अनलिमिटेड, पोकेमॉन, बेब्लेड, जियाओलिन शोडाउन, डिगीमॉन, ड्यूल मास्टर, ट्रांस्फार्मर्स, द यूनिकोर्न ट्रायोलॉजी और द टीनेज म्यूटेंट निंजा टर्टल्स भी सम्मिलित हैं।

चित्र 15.4: कार्टून चैनल

कार्टून नेटवर्क ने कुछ भारत में निर्मित कार्टून भी प्रसारित किए हैं जैसे 'अकबर और बीरवल' 'सिन्दबाद', 'रामायण', 'महाभारत' तथा 'विक्रम और बेताल'।

मनोरंजन तथा लाइफस्टाइल चैनल

क्या आपने अपने समाचारपत्र के साथ आये एक रंगीन परिशिष्ट को देखा है? इसमें फिल्म, अभिनेता, ग हसज्जा तथा अन्य मनोरंजन सम्बन्धी सामग्रियाँ वाले लेख होते हैं। टेलीविजन में भी घर–आँगन, बाग–बगीचे, रसोईघर और परिवार आदि विषयों को समर्पित चैनल होते हैं।''

इन्हें लाइफस्टाइल चैनल कहते हैं और ये विभिन्न जीवनशैली के तौर तरीकों से सम्बन्धित अनेक प्रकार के कार्यक्रम देते हैं। इन चैनलों को सबसे अच्छी तरह

टिप्पणी

परिभाषित किया जा सकता है विशेष शैली के एंकर, सुसज्जित तथा सुप्रकाशित सेट्स सम्मोहक लोकेशन तथा विनम्र द ष्टिकोण से। यह जानने के लिए कि आपके पसंदीदा सेलिब्रिटी की क्या पसन्द तथा नापसन्द है, आप लाइफस्टाइल चैनल देख सकते हैं। जूम और डिस्कवरी का ट्रैवेल एंड लीविंग कुछ लाइफस्टाइल चैनल हैं।

विज्ञान तथा अन्वेषण सम्बन्धी चैनल

जैसे खेल चैनल खेल से सम्बन्धित ढेर सारे कार्यक्रम दिखाते हैं, वैसे ही विज्ञान चैनल विज्ञान सम्बन्धित टेलीविजन कार्यक्रम दिखाते हैं। हर दिन विशेष ब्लॉक्स में इसमें विभिन्न विषय लिये जाते हैं जैसे मौसम, तकनीकी तथा अंतरिक्ष।

यदि आप डाइनोसॉर, साँप, बाघ, जलप्रपात, प्रकृति, वैज्ञानिक आविष्कार तथा अन्वेषण के बारे में जानना चाहते हैं तो नेशनल ज्याग्राफिक और डिस्कवरी चैनल देखना आपके लिए जरूरी है।

पाठगत प्रश्न 15.1

1. दिये गये विकल्पों में से समुचित उत्तर पर सही का निशान लगाइयेः

   (i) घरबार, बागबगीचे और परिवार पर समर्पित चैनल है—

   क) विज्ञान चैनल

   ख) समाचार चैनल

   ग) खेल चैनल

   घ) लाइफस्टाइल चैनल

   (ii) बच्चों में टेलीविजन चैनल की सर्वाधिक लोकप्रिय श्रेणी है—

   क) समाचार चैनल

   ख) खेल चैनल

   ग) कार्टून चैनल

   घ) लाइफस्टाइल चैनल

   (iii) इसमें से कौन समाचार चैनल है?

   क) डिस्कवरी चैनल

   ख) एनडीटीवी 24x7

टिप्पणी

ग) इएसपीएन

घ) जूम

2. किन्हीं दो प्रकार के टेलीविजन चैनल बताइये। प्रत्येक का एक उदाहरण दीजिये।

3. टेलीविजन पर मनोरंजन कार्यक्रमों के पाँच उदाहरण दीजिये।

15.2 टेलीविजन कार्यक्रमों के प्रकार

अब हम सब जानते हैं कि टेलीविजन चैनलों की विभिन्न श्रेणियाँ होती हैं। अपनी मनःस्थिति, रुचि तथा जरूरत के मुताबिक हम चैनल चुनते और देखते हैं। इन चैनलों पर दिखाये जाने जाने विभिन्न कार्यक्रम अलग–अलग उद्देश्यों की पूर्ति करते हैं। कुछ कार्यक्रम लोगों को सूचित करने के लिए, कुछ लोगों का मनोरंजन करने के लिए और अन्य समुदाय को शिक्षित करने के लिए होते हैं। बार–बार यह सिद्ध हुआ है कि टेलीविजन ने जनसामान्य को किसी मुद्दे पर राजी करने तथा उत्तेजित करने का काम भी किया है। इसमें से कई का इस माध्यम के साथ भावात्मक लगाव हो जाता है।

सूचना उपलब्ध कराना, मनोरंजन तथा शिक्षा टेलीविजन का मूल लक्ष्य है। समय–समय पर हमारी प्राथमिकता बदलती रहती है। इसी तरह हम किसी समय विशेष में चैनल का चयन भी करते हैं। समय के साथ–साथ 'इंफोटेंमेंट' तथा 'एडूटेनमेंट' जैसे नये शब्दों का उद्भव होता है परन्तु दोनों मामलों में 'एंटरटेनमेंट' या 'मनोरंजन' उभय है, और यही अब टेलीविजन की प्रमुख भूमिका बन गयी है।

सूचनात्मक कार्यक्रम

प्रायः हमें टेलीविजन कार्यक्रमों के माध्यम के बहुत सी बातें पता चलती हैं। कहाँ क्या हो रहा है? कौन सी प्रदर्शनी लगेगी और कब तक चलेगी? किसे वर्ष का सर्वोत्क ष्ट स्पोर्ट्सपर्सन घोषित किया गया है?

वे कार्यक्रम जिनका मुख्य उद्देश्य दर्शकों को सूचना देना है सूचनात्मक कार्यक्रम कहे जाते हैं। विभिन्न प्रकार के सूचनात्मक कार्यक्रम हैं–

- समान्तर तथा समसामयिक मामलों के कार्यक्रम–उदाहरण के लिए–समाचार बुलेटिन, समाचार कमेंट्री–महत्वपूर्ण घटनाओं की कार्यवाही का सीधा प्रसारण, समाचार आधारित भेंटवार्ता तथा पैनल डिस्कशन।
- खेल कार्यक्रम : उदाहरण के लिए क्रिकेट मैच, खेल डायरी, खेल कमेंट्री।
- कुकरी शो, खानपान सम्बन्धी कार्यक्रम : उदाहरण के लिए–कुकइट अप विद् तरला दलाल, खाना खज़ाना, मिर्च मसाला।

टिप्पणी

- समसामयिक पर्यावरण मुद्दों, विज्ञान तथा तकनीकी और अन्वेषण तथा आर्थिक नीति से सम्बन्धित सूचना देने वाले कार्यक्रम जैसे सुरभि, भारत एक खोज।

मनोरंजन कार्यक्रम

क्या आप हमेशा टेलीविजन इसीलिए देखते हैं कि आप कुछ जानना चाहते हैं? निश्चिम रूप से नहीं। हममें से ज्यादातर लोग जिस सबसे महत्वपूर्ण वजह से टेलीविजन देखते हैं, वह है मनोरंजन।

हमें सूचना देने वाले कार्यक्रमों के अलावा टेलीविजन पर बहुत सारे कार्यक्रम ऐसे होते हैं जो हमारा मनोरंजन करते हैं। इन कार्यक्रमों को मनोरंजन कार्यक्रम कहा जाता है।

मनोरंजन कार्यक्रमों के उदाहरण हैं:

- धारावाहिक, सोप ऑपेरा, ड्रामा तथा नाटक जैसेः जुनून, घर एक मन्दिर, क्योंकि सास भी कभी बहू थी, बनूँ मैं तेरी दुल्हन।
- कॉमेडी शो जैसे लाफ्टर चैलेंज, कॉमेडी सर्कस।
- संगीत कार्यक्रम : सुगम संगीत, शास्त्रीय संगीत आदि के कार्यक्रम जैसे गज़ल गोष्ठी।
- गेम शो जैसे मास्टर कार्ड, फेमिली फार्च्यून।
- चैट शो जैसे कॉफी विद करन, ओए, इट्स फ्राइडे! जीना इसी का नाम है।
- कार्टून जैसे टॉम एंड जेरी।
- परीकथा/फंतासी आधारित कार्यक्रम जैसे अल्लादीन का चिराग।
- हॉरर शो जैसे आहट।
- रियलिटी टेलीविजन शो जैसे इंडियन आइडॉल, सा रे ग म प और वायस ऑफ इंडिया।

शैक्षिक कार्यक्रम

क्या आप जानते हैं कि टेलीविजन एक उत्तम शिक्षक भी हो सकता है। यह दूरस्थ शिक्षण के एक प्रभावी माध्यम के रूप में कार्य कर सकता है। अपने पहले का पाठ में आपने 'ज्ञानदर्शन' के बारे में जाना है जो 'दूरदर्शन' का शैक्षिक चैनल है। इस चैनल पर प्रसारित कार्यक्रम शैक्षिक कार्यक्रमों के उचित उदाहरण हैं। इस श्रेणी में आने वाले कार्यक्रम हैं—

- मुक्त विश्वविद्यालय व दूरस्थ शिक्षण कार्यक्रम (यू.जी.सी. व इग्नू)

टिप्पणी

- सामाजिक तथा विकास कार्यक्रम : स्वास्थ्य व विज्ञान, फिटनेस तथा हाइजिन, कृषि तथा ग्रामीण विकास कार्यक्रम, लोक सेवा प्रसारण, साक्षरता अभियान, परिवार नियोजन तथा कल्याण।
- संस्कृति तथा लैंगिक अध्ययन कार्यक्रम : साहित्य, कला, नाटक, सांस्कृतिक विरासत और लैंगिक संवेदनात्मक कार्यक्रम

पाठगत प्रश्न 15.2

1. दिये गये विकल्पों में से समुचित उत्तर पर सही का निशान लगाइये।

   (i) संस्कृति तथा लैंगिक अध्ययन कार्यक्रम एक प्रकार हैं—

   क) मनोरंजन कार्यक्रमों के

   ख) शैक्षिक कार्यक्रमों के

   ग) सूचनात्मक कार्यक्रमों के

   घ) इनमें से कोई नहीं

   (ii) कॉमेडी शो प्रकार हैं

   क) शैक्षिक कार्यक्रम के

   ख) सूचनात्मक कार्यक्रम के

   ग) मनोरंजन कार्यक्रम के

   घ) इनमें से कोई नहीं

   (iii) कुकरी शो की श्रेणी है

   क) शैक्षिक कार्यक्रम

   ख) मनोरंजन कार्यक्रम

   ग) सूचनात्मक कार्यक्रम

   घ) इसमें से कोई नहीं

2. सूचनात्मक कार्यक्रमों के ऐसे तीन उदाहरण दीजिए जिन्हें आप टेलीविजन पर देखना चाहते हैं।

टिप्पणी

15.3 टेलीविजन कार्यक्रमों के विभिन्न फॉर्मेट

खाना–पीना हो या कपड़े पहनना हो, मित्र बनाना हो या मनोरंजन का चयन करना हो, मनुष्य को जीवन में विभिन्नता चाहिये। टेलीविजन के मामले में भी यह कहावत खरी उतरती है कि ''विभिन्नता में जीवन का रस है''।

बहुत बार टेलीविजन देखते समय आपने सोचा होगा कि कुछ कार्यक्रम निर्देशक की कल्पना के उपज होते हैं जबकि अन्य जीवन के यथार्थ अनुभव प्रतीत होते हैं। यह सच भी हैं क्योंकि एक ओर हम कल्पना पर आधारित कार्यक्रम देखते हैं, तो दूसरी ओर वास्तविक घटनाओं व आयोजनों पर आधारित कार्यक्रम। इस प्रकार टेलीविजन कार्यक्रमों के फॉर्मेट के दो ब हद प्रकार हैं जिनकी चर्चा हम यहाँ करेंगे।

- काल्पनिक कार्यक्रम (फिक्शन)
- अकाल्पनिक कार्यक्रम (नॉन फिक्शन)

काल्पनिक कार्यक्रम

कल्पना और नाटकीयता पर निर्भर लगभग सभी काल्पनिक कार्यक्रम दर्शकों के मनोरंजन के लिए होते हैं। हम लोग, घर एक मन्दिर, क्योंकि सास भी कभी बहू थी, जैसे नाटक/सॉप ऑपेरा काल्पनिक कथा के दीर्घकाल तक प्रदर्शित एपिसोड आधारित धारावाहिक हैं।

> क्या आप जानते हैं?
>
> सोप ऑपेरा नाम मूल रूप से रेडियो पर प्रसारित उन नाटकीय धारावाहिक प्रसारण से आया है जिनके प्रायोजक साबुन उत्पादक होते थे।

आपके घर के सदस्य कितनी बार एक–दूसरे से रिमोट ले लेने की कोशिश करते हैं? ऐसा क्यों होता है? आपकी माँ कोई एक धारावाहिक देखना चाहती थीं लेकिन आपकी बहन को कुछ और ही पसन्द था। आपके पिताजी समाचार देखना चाहते थे लेकिन उसी समय आप क्रिकेट मैच देखना चाहते थे। और अंततः आपकी माँ ही जीत जाती हैं, क्योंकि सभी लोग धारावाहिक देखने पर राजी हो जाते हैं। धारावाहिक टेलीविजन पर सप्ताह के प्राइम टाइम अवधि में प्रसारित श्रं खलाबद्ध कार्यक्रम हैं जिनकी पटकथा में तारतम्य रहता है तथा एपिसोड से एपिसोड कहानी का खुलासा होता चला जाता है।

> यह दिलचस्प है कि काल्पनिक कथा और गीत/फिल्म क्लिपिंग के अंश के मिलेजुले अनेक फिल्म आधारित कार्यक्रम इन दिनों टेलीविजन पर उपलब्ध हैं जो अनेक फॉर्मेट के मिलेजुले रूप हैं।

टिप्पणी

अकाल्पनिक (नॉन फिक्शन) कार्यक्रम

विभिन्न धारावाहिकों तथा काल्पनिक कथा के अन्य मनोरंजक रचनाओं के अलावा आपने टेलीविजन पर ऐसे कार्यक्रम भी देखे होंगे जो हमारे चारों ओर की विभिन्न घटनाओं के बारे में सूचना देते हैं साथ–साथ समकालीन मुद्दों पर हमें शिक्षित भी करते हैं। आइये अब हम टेलीविजन पर उपलब्ध विभिन्न अकाल्पनिक कार्यक्रमों की चर्चा करें।

समाचार बुलेटिन

समाचार बुलेटिन में महत्व तथा रुचि के क्रम में समाचारों का सार प्रस्तुत किया जाता है। इसमें राष्ट्रीय तथा अन्तरराष्ट्रीय घटनाओं को महत्वपूर्ण स्थान दिया जाता है जबकि क्षेत्रीय तथा स्थानीय समाचार समय बचने पर पढ़े जाते हैं। मानवीय अभिरुचि तथा खेल के समाचार सामान्यतः मुख्य बुलेटिन के अन्त में प्रस्तुत किये जाते हैं। 'दूरदर्शन' पर अंग्रेजी, हिन्दी तथा विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में समाचार बुलेटिन प्रस्तुत किये जाते हैं।

परन्तु 24 घंटे के समाचार चैनलों के आगमन के बाद अब आधे घंटे की बुलेटिनें लोकप्रिय नहीं रह गयी हैं। बल्कि समाचार ने अब 24x7 का फॉर्मेट अपना लिया है जिसमें जब भी कोई घटना होती है तब करीब–करीब तत्काल उससे सम्बन्धित समाचार प्रस्तुत कर दिया जाता है।

गेम/क्विज़ शो : आपने डेरेक ओ ब्रायन को प्रत्येक रविवार दोपहर प्रसारित सबसे लोकप्रिय क्विज कार्यक्रम बोर्नविटा क्विज़ कन्टेस्ट (बी क्यू सी) प्रस्तुत करते देखा होगा। बोर्नविटा की जिंगल के साथ शीघ्र ही यह कार्यक्रम आरम्भ हो जाता है तथा दर्शकों को साथ लेकर तेजी से आगे बढ़ता है। यह प्रश्नों में भागीदारी तथा संलग्नता का भाव ही है जिसके कारण कार्यक्रम परिवार के लिए मनोरंजक बन जाता है।

वार्ता तथा परिचर्चा कार्यक्रम

हमारे समाज के अनेक मुद्दे ऐसे हैं जो हमारे लिए महत्वपूर्ण या चिन्ताजनक बन जाते हैं। इन्हें केवल समाचार के माध्यम से रिपोर्ट करना पर्याप्त नहीं होता। अन्य कई कारक तथा विशेषज्ञों के द ष्टिकोण सामयिक मुद्दों पर टेलीविजन कार्यक्रम के अति महत्वपूर्ण फॉर्मेट हैं। इनमें से अधिकांश शो में नियमित रूप से एक मेज़बान आते हैं जो अतिथि वक्ता का साक्षात्कार करते हैं। इसमें मेजबान या अतिथिवक्ता के साथ फोन पर दर्शकों या श्रोताओं की बातचीत भी प्रसारित की जाती है जिससे ऐसे कार्यक्रमों में दर्शकों की सहभागिता का तत्व सम्मिलित हो जाता है। सामान्यतः ऐसे शो को कई खंडों में आयोजित किया जाता है जो विज्ञापन ब्रेक से अलग किये जाते हैं। ऐसे कार्यक्रमों के उदाहरण हैं— 'वी द पीपुल' तथा 'मुकाबला'।

टिप्पणी

15.4 आपने क्या सीखा

→ टेलीविजन चैनलों की विभिन्न श्रेणियाँ

- समाचार चैनल
- खेल चैनल
- कार्टून चैनल
- मनोरंजन व लाइफस्टाइल चैनल
- विज्ञान तथा अन्वेषण चैनल

टेलीविजन कार्यक्रमों के प्रकार

- सूचनात्मक
- मनोरंजक
- शैक्षिक

विभिन्न कार्यक्रम फॉर्मेट

- काल्पनिक : धारावाहिक, फिल्म आधारित कार्यक्रम
- अकाल्पनिक : समाचार बुलेटिन, गेम/क्विज शो, वार्ता तथा अन्वेषण सम्बन्धी कार्यक्रम

15.5 पाठान्त प्रश्न

1. उदाहरण के साथ विस्तार से टेलीविजन चैनलों की विभिन्न श्रेणियों की चर्चा कीजिये।
2. टेलीविजन कार्यक्रमों के विभिन्न प्रकार क्या हैं? उदाहरण के साथ समझाइये।
3. आपका पसंदीदा टेलीविजन कार्यक्रम तथा पसंदीदा टेलीविजन चैनल कौन सा है तथा क्यों? यह किस श्रेणी में रखा जा सकता है?
4. विभिन्न प्रकार के टेलीविजन कार्यक्रम फॉर्मेट का वर्णन कीजिये।

टिप्पणी

15.6 पाठगत प्रश्नों के उत्तर

15.1 1. 1. (i) (घ) (ii) (ग) (iii) (ख)

2. (i) समाचार चैनल – उदाहरण जी न्यूज़

(ii) खेल चैनल – उदाहरण ई.एस.पी.एन.

(iii) कोई अन्य

3. भाग 15.1 का संदर्भ लें

15.2 1. (i) (ख) (ii) (ग) (iii) (ग)

2. भाग 15.2 का संदर्भ लें।